हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, बुधवार 1 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

38 वर्ष सेवा देने के बाद डाक्टर दिनेश परते हुए सेवा निवृत

भुआबिछिया। नगर के पशु चिकित्सालय से पशु चिकित्सा सहायक डॉक्टर दिनेश चंद्र सिंह परतें पिता स्वर्गीय चंदन लाल परतें आज अपनी 38 वर्ष की सेवा 62 वर्ष की आयु का सफर निर्विवाद और निर्विघ्न पूरा कर आज सेवा निवृत हुए। पशु चिकित्सालय कार्यलय में उनके उत्कृष्ट कार्यकाल को सराहा गया और उनका परिवार सहित उनका स्वागत किया जाकर उन्हें उनके निवास तक बैण्ड बाजों और आतिशबाजी पहुंचाया गया। डाक्टर परतें सुरेश चंद्र सिंह परतें सेवा निवृत तहसीलदार के अनुज है और डाक्टर पल्लवी परते डिडौंरी राहुल परतें के पिता है और बिछिया पशु चिकित्सालय में पदस्थ डा दीपाली परते, श्वेता परते (सिविल जज) शहडोल के चाचा है सेवा निवृती पर उनके परिवार जन, परिजन, इष्टमित्र सभी ने सेवा निवृत्ति पर अपनी शुभकामनाएं प्रदान की। सेवा निवृत्ति पर उनकी श्रीमती जानकी दिनेश परते (पूर्व पंच) बिछिया ग्राम पंचायत ने कटारे प्लेश में शाम को सभी के प्रीतिभोज आयोजन किया गया है।

जल प्रकृति का आशीर्वाद, इसका संरक्षण हम सबका दायित्व-श्रीमती संपतिया उइके

जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ समापन

*** कार्यक्रम के दौरान हुई बारिश, मिला आर्शीवाद।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि यह अद्भुत संयोग है कि जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन ऐसे समय हो रहा है, जब प्रकृति ने स्वयं वर्षा जल के रूप में हम सभी को अपना आशीर्वाद प्रदान किया है। यह संदेश देता है कि यदि हम जल का सम्मान और संरक्षण करेंगे, तो प्रकृति भी हम पर अपनी कृपा बनाए रखेगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का जो संकल्प लिया गया है, उसे प्रत्येक नागरिक अपने जीवन का हिस्सा बनाए। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जल संरक्षण संबंधी संदेश का वाचन करते हुए उपस्थित नागरिकों से वर्षा जल के संरक्षण, जल स्त्रोतों के संवर्धन तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग का संकल्प लेने का आग्रह किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान का जिला स्तरीय समापन कार्यक्रम मंगलवार को मंडला जिले के नैनपुर विकासखंड के सर्रा-पिपरिया स्थित तालाब में वर्षा के बीच उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान हो रही वर्षा को उपस्थित जनसमुदाय ने शुभ संकेत के रूप में देखा। बारिश के बीच मंत्री श्रीमती उइके ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता कर अभियान के समापन को जनभागीदारी और प्रकृति के आशीर्वाद का प्रतीक बताया। इस दौरान उनके द्वारा तालाब पर विधिवत पूजन कर जल संचय का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में जल स्त्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पौधारोपण भी किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने जल संरक्षण को जन-जन तक पहुँचाने तथा प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती उइके ने अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी, कर्मचारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा, प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, एसडीएम नैनपुर आशुतोष सिंह ठाकुर, अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ विनोद मरावी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

प्रभारी कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं 117 आवेदकों की समस्याएं त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला योजना भवन में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली साप्ताहिक जनसुनवाई के क्रम में आज प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर ने जिले के दूर-दराज के क्षेत्रों से आए 117 आवेदकों की समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से सुना। प्रभारी कलेक्टर ने आवेदकों की शिकायतों और मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के संबंध में उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने कहा कि जनसामान्य की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों पर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ एवं श्री संस्कार बावरिया, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम ने भी आवेदनों की समस्या सुनी। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सुरक्षा जवान एवं ड्रोन पायलट भर्ती शिविर में 9 युवाओं का चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) मंडला में 11 जून को जीडीएसएस ग्रुप, ग्रेटर नोएडा एवं भारत सरकार के पसारा एक्ट-2005 के तहत सुरक्षा जवान, ड्रोन पायलट, सुरक्षा सुपरवाइजर एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर पदों के लिए भर्ती शिविर आयोजित किया गया। इस भर्ती शिविर में जिले के 9 युवाओं का चयन किया गया।

चयनित अभ्यर्थियों को जीडीएसएस ग्रुप के प्रशिक्षण केंद्र, नोएडा में 15 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रमाण-पत्र प्रदान कर मध्यप्रदेश के भोपाल स्थित आयशर कंपनी तथा इंदौर की मारुति सुजुकी कंपनी में सुरक्षा गार्ड के रूप में नियुक्ति दी जाएगी। इन पदों पर चयनित युवाओं को प्रतिमाह 21,500 से 25,000 रुपये तक का वेतन मिलेगा। इसके साथ ही ईपीएफ, पेंशन, जीवन बीमा एवं फैमिली मेडिकल जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

नवागत जिला समन्वयक की उपस्थिति में हुआ बावड़ी उत्सव कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा अभियान अंतर्गत बावड़ी उत्सव कार्यक्रम का समापन सोमवार को बिहाड़ के जंगल हनुमान मंदिर ग्राम डोंगरमंडला में किया गया। जिसमें नवागत जिला समन्वयक सुशील बर्मन, सरपंच सरस्वती धुर्वे महाराज जी पूर्व सरपंच के द्वारा बावड़ी में पूजन अर्चना कर जलाभिषेक कर कार्य का शुभारंभ किया गया। नवागत जिला समन्वयक सुशील बर्मन द्वारा जल गंगा अभियान का समापन कार्यक्रम में जल का महत्व बताते हुए जल हे तो कल है जल ही जीवन है जल की बचत करना बहुत महत्वपूर्ण है, पैसे से अधिक जल की कीमत है समुद्र का पानी का कोई उपयोगी नहीं है। क्योंकि यह पीने योग नहीं है पूर्वज के लोगों ने कुआं, बावड़ी, ताल तलैया, तालाब का निर्माण कर जल का संचय करने में बेहतर कार्य किया। जबकि वर्तमान स्थिति में 500-600 निचले बोरवेल द्वारा पानी का निकासी किया जाता है जिसमें एक शरीर से खून चूसने की तरह है। जबकि 100 फुट से अधिक गहरे पानी पीने योग्य नहीं एक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया गया हम सभी कर्तव्य है कि जल का संचय कर अधिक से अधिक जल को बचाने का हम सभी का दायित्व है। विकासखंड समन्वयक नेमलाल धुर्वे द्वारा जल गंगा अभियान के तीनों चरणो में विकासखंड स्तरीय किए गए कार्यों की जानकारी दी गई। शालिनी दुबे ने जल संरक्षण के लिए व्याख्यान अपनी प्रतिभा को निहारते हुए बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी की गई कार्यक्रम में उपस्थित नवाकुर संस्था से रमेश कुमार गोप, अजय कुमार अग्रवाल, नीरज दुबे, नंदकिशोर राजे, मुकेश कुमार सैयाम, शैल संत, सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्रा, समिति सदस्य एवं गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में सहभागिता दी।

कोष्टा मोहल्ला स्थित कपड़ा दुकान पर जुआ खेलते 8 आरोपी गिरफ्तार

*** 9,070 नगद एवं ताश की गड्डियां जप्त।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा तथा एसडीओपी मंडला पीयूष मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा अवैध जुआ के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई।

दिनांक 29/06/2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कोष्टा मोहल्ला, मंडला स्थित कपड़ा दुकान पर कुछ व्यक्ति हार-जीत की बाजी लगाकर ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक शफीक खान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल दबिश दी। मौके से 08 आरोपियों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 9,070 नगद (फड़ से 8,190 एवं आरोपियों के पास से 880) तथा ताश के 52-52 पत्तों की 03 गड्डियां जप्त की गईं। आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश जुआ अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

थाना प्रभारी निरीक्षक शफीक खान, सउनि राघवेंद्र ठाकुर, प्रधान आरक्षक बलवंत तेकाम, आरक्षक रमेश, रजन, प्रियांश, मृदुल, धीरू, हनु, धर्मेंद्र, राजकुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रश्नचिन्ह | **जनजाति कार्य विभाग में हो रहे स्थानांतरणों पर उठे सवाल।**

शिक्षकों ने पारदर्शिता और जांच की मांग उठाई

*** सूची सार्वजनिक न होने से बढ़ा सस्पेंस।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले के जनजाति कार्य विभाग में हाल ही में हुए शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर विभागीय कर्मचारियों और शिक्षकों के बीच चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। अब तक स्थानांतरण सूची सार्वजनिक नहीं होने से पूरे मामले को लेकर संदेह और सस्पेंस की स्थिति बनी हुई है। विभागीय कर्मचारियों का कहना है कि यदि स्थानांतरण पूरी तरह शासन की नीति एवं नियमों के अनुरूप किए गए हैं, तो सूची सार्वजनिक करने में किसी प्रकार की आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

सूत्रों के अनुसार कुछ स्थानांतरणों को लेकर नियमों के उल्लंघन के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह भी चर्चा है कि कुछ शिक्षकों का कथित रूप से बिना सक्षम स्वीकृति के संलग्नीकरण किया गया। आरोप यह भी हैं कि इस पूरी प्रक्रिया में विभागीय अधिकारियों के साथ कुछ जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारी संगठनों के कुछ पदाधिकारियों की भूमिका रही है। हालांकि इन आरोपों की किसी सक्षम अधिकारी द्वारा आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

शिक्षकों का कहना है कि जिले के अनेक ग्रामीण एवं दूरस्थ विद्यालय आज भी शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। स्थानांतरण नीति का उद्देश्य ऐसे विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना था, लेकिन कई स्कूलों में अब भी रिक्तियां बनी हुई हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

इस बीच जिले में नवागत प्रभारी सहायक आयुक्त डॉ. अरूण शुक्ला से लोगों की उम्मीदें बढ़ी हैं। जनमानस का मानना है कि वे मामले का परीक्षण कर तथ्यों को स्पष्ट करेंगे तथा यदि कहीं अनियमितता हुई है तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

वहीं जिले के कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर लगातार गंभीर माने जाते हैं। ऐसे में शिक्षकों और नागरिकों ने मांग की है कि जनजाति कार्य विभाग को सभी स्थानांतरणों की सूची सार्वजनिक करने के निर्देश दिए जाएं तथा संपूर्ण प्रक्रिया की निष्पक्ष एवं सूक्ष्म जांच कराई जाए। उनका कहना है कि इससे वास्तविक स्थिति सामने आएगी और यदि कहीं अनियमितता हुई है तो दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई संभव हो सकेगी।

इनका कहना है-

मैं वर्तमान में संगठनात्मक कार्य से भोपाल में हूं। मंडला लौटने के बाद नवागत सहायक आयुक्त से इस विषय पर विस्तृत चर्चा करूंगा। आगामी बैठक में स्थानांतरण, स्कूलों के उन्नयन, अति-शेष शिक्षकों के समायोजन सहित सभी महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए जाएंगे। साथ ही स्थानांतरण सूची एक साथ सार्वजनिक करने के लिए भी कहा जाएगा, ताकि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे।

इंजी. कमलेश तेकाम
उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, शिक्षा समिति जिला पंचायत, मण्डला

नैनपुर परियोजना में आँगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों पर भर्ती, 1 जुलाई से आवेदन

मण्डला। महिला एवं बाल विकास परियोजना नैनपुर द्वारा आँगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के पूर्णतः अस्थायी एवं मानदेय आधारित रिक्त पदों की पूर्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक महिला अभ्यर्थी एमपी ऑनलाइन के चयन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। नैनपुर परियोजना अंतर्गत 1 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं 3 आँगनवाड़ी सहायिकाओं के कुल 4 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। आवेदन प्रक्रिया 1 जुलाई से प्रारंभ होगी तथा 13 जुलाई तक आवेदन किए जा सकेंगे। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई है। भर्ती से संबंधित पात्रता, नियम, शर्तें एवं अन्य विस्तृत जानकारी एमपी ऑनलाइन के चयन पोर्टल एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

जनमन योजना से बनी सड़क के बनते ही उखड़ी डामर

*** ग्रामीणों ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

ग्राम पंचायत अमदरा के पोषक ग्राम कुई में जनमन योजना के तहत निर्मित सड़क निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि सड़क बनने के कुछ ही समय बाद उसकी डामर परत उखड़ने लगी, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर संदेह पैदा हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि उखड़ी हुई डामर सड़क पर मरम्मत के नाम पर सीमेंट डालकर काम चलाने का प्रयास किया गया। उनका आरोप है कि सड़क का निर्माण निर्धारित मानकों और नियमों का पालन किए बिना किया गया, जिसके कारण नई सड़क भी जल्दी क्षतिग्रस्त हो गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, वर्षों के इंतजार के बाद मिली यह सड़क भी कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि सार्वजनिक धन का दुरुपयोग रोका जा सके और गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित हो।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद संबंधित विभाग ने अब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो भविष्य में भी इस तरह के निम्न गुणवत्ता वाले निर्माण कार्य जारी रह सकते हैं।

आज से नया शिक्षा सत्र शुरू होने से शहर की सड़कों पर नजर आयेंगे देश के भविष्य..

शालाओं में बिखरेगी रौनक के साथ चहल-पहल

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। प्रतिवर्ष देखा जाता है कि सही मायने में नये शिक्षा सत्र की शुरूआत 1 जुलाई से होती है। यह बात अलग है कि शासन द्वारा कुछ फेर बदल करते हुये इसकी शुरूआत भले ही अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहले से कर दी गई है। मगर इसके बाद भी लोगों के दिलों में एक जुलाई घर करके बैठा हुआ है जिसके चलते आज सृष्टि के प्रथम पूज्य भगवान गणेश जी के प्रिय दिवस बुधवार से होने जा रही है। वही आज का दिन शहर के उन बच्चो, किशोरो के नाम समर्पित होने जा रहा है जो भविष्य में शिक्षित होकर प्रदेश, देश, समाज के विकास में सहभागी बनने के साथ अपनी प्रतिभा में निखार लाते हुए शहर को गौरवान्वित करेंगे। क्योंकि नया शिक्षा सत्र शुरू होने के पहले दिन के पूर्व मंगलवार को लोगों के घरो का वातावरण भी बदला हुआ दिखायी पड़ रहा था। क्योंकि जहां इस समय मानसून की बेरूखी के चलते चल रहे आषाढ़ माह में बैशाख के समान तेज तपन व लोगों को गर्मी से परेशान होते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर ग्रीष्म अवकाश के दौरान आनंद मनाकर अपनी शाला में पढ़ने जाने वाला कोई मासूम बच्चा अपने पापा से शाला की ड्रेस, रंगीन छाता, किताबे, कापियां, टिफिन बाक्स, कम्पास दिलाने की हठ करते हुये देखे जा रहे है। क्योंकि कोई मासूम बच्चा अपनी मॉ से फरमाईश कर रहा था कि स्कूल जाने के पहले उसके टिफिन बाक्स में रोज बदलकर खाने की नई चीजें रखी जाएँ। इस प्रकार से आलम यह था घरो में बच्चों के बेहतर भविष्य के खातिर भीषण महँगाई से जंग लड़ रहे अभिभावक बच्चो की हर फर माईश पूरी करने की व्यवस्थाओं में जुटे हुए थे और नगर के माहौल को देख अहसास हो रहा था कि मॉ सरस्वती की वीणा के सारे तार झनकार मारने के लिये आतुर हो उठे है। उल्लेखनीय है कि आज 1 जुलाई से शहर की शासकीय, निजी शालाओं में नए शैक्षणिक सत्र का आगाज होने जा रहा है। इस वर्ष दुर्भाग्य से बादलो के मिजाज के चलते जिस प्रकार से मौसम गर्मी से परेशान करते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर बच्चों से भीषण गर्मी के दौरान बीता हुआ शिक्षण सत्र को समाप्त किया गया था। उस गर्मी का अहसास बच्चों को आज भी होते हुये देखा जा रहा है। मगर उम्मीद है कि मेघ शीघ्र अपनी कृपा दृष्टि से मौसम को खुशनुमा बनाते नये शिक्षण सत्र की शुरूआत कर सकते है..? इस तरह खुश मिजाज मौके के चलते इस बात की पूरी उम्मीद है कि आज बुधवार को शहर की सड़कों पर

आकर्षक परिधानो में सजे हँसतें, मुस्कराते हुए बच्चे, साईकिलों पर सवार स्कूल जाने बेताब किशोर बड़ी संख्या में नजर आएँगे तथा गर्मियो की छुट्टियों में वीरान शहर की शालाओं की रौनक की वापिसी होगी। आज से नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत होने के चलते पुस्तक विक्रेताओं की दुकानो पर अभिभावको की भीड़ बढ़नें लगी है और नयी शालेय सामग्री बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करने लगी है। वही पुस्तक विक्रेताओं का कहना है कि इस वर्ष किताबे, कापियों तथा बच्चो के उपयोगी अन्य सामान की कीमतो में खास ईजाफा नही हुआ है तथा उनकी ओर से यह कोशिश की जा रही है कि बच्चो को एक ही बार में कोर्स की सारी किताबे उपलब्ध करायी जाएँ। वही देखा जा रहा है कि आज से शालाओं में नया शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के बावजूद शिक्षा व्यवस्था सम्बंधी अनेक कमियॉ रह गयी है..? वही नगर की चमकती, दमकती अशासकीय शालाओं में फीस वृद्धि, डोनेशन वसूली का खेल जारी है। वही दूसरी ओर स्कूल चले हम अभियान की आशा जनक सफलता न होने की वजह से गरीब परिवारो के बहुत से बच्चे शिक्षा हासिल करने से वंचित रहते हुए जान पड़ रहे है? यह बात अलग है कि सरकार द्वारा शुरू किये गये स्कूल चले हम अभियान को स्थानीय अधिकारियों की हड धर्मिता व उदासीनता के चलते अमली जामा सही रूप से नही पहनाया जा सका है..? शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के उद्धेश्य से अनेक प्रकार के अभियान चलाते हुए बच्चों को शिक्षा की ओर रूख करने के लिए प्रयास किये गये है। मगर जब अनेक बच्चों को स्कूली पुस्तकों की जगह जहां तहां कबाड़ बीनते हुए देखा जाता है तो शासन द्वारा चलाई जाने वाली सभी योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है..? क्योंकि आज भी अनेक बच्चें इस प्रकार से मिल सकते है जिन्हें शायद पता ही नही होगा कि आज से नया शिक्षा सत्र शुरू होने जा रहा है तो फिर आखिर में किस प्रकार से सफल हुआ स्कूल चले हम अभियान...? गौर किया जावे तो स्कूली बच्चों के हित में यातायात व्यवस्था को सुधारने में प्रशासन नाकाम दिखाई दे रहा है, इसके अलावा नगर की शासकीय प्राथमिक शालाओ की दुर्दशा पर भी ध्यान नहीं दिया गया है, जिसके चलते अनेक शासकीय शालाएं जहां खंडहर में तब्दील होते हुए नजर आ रही है, जिनमें सांप गुहरे आराम फरमा रहे है तो कुछ शालाओं में रात के समय होने वाली शराब खोरी के चलते शराब की बोतलें पड़ी हुई है..? इतना ही नही अनेक स्कूल आज भी अतिक्रमण में चपेट में देखे जा रहे है। जबकि गौर करने वाली बात तो यह है कि स्कूल चले हम अभियान के दौरान जब कार्य शालाओं का आयोजन किया गया था तो अधिकारियों द्वारा शासकीय शालाओं के पास से शिक्षा सत्र शुरू होने के पूर्व अतिक्रमण हटाने की बात कही गई थी। मगर वह बात मात्र बैठक तक ही सीमित नजर आई...? वही नये शिक्षा सत्र को लेकर अभिभावको की माने तो नगर की अनेक शासकीय शिक्षण संस्थओं में जरूरी विषय नही होने से बच्चे मायूस होते हुये देखे जा रहे है जिसकमे चलते यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो शासन द्वारा शिक्षा देने की दिशा में कारगर पहल नही की गयी है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो नगर की अनेक शासकीय व निजी शालाओं में लायब्रेरी और मूलभूत सुविधाओं से

शिक्षा सत्र से बेखबर बच्चे कर रहे कबाड़ एकत

छात्र, छात्राओं को महरूम होना पड़ रहा है? आज बुधवार से नए शिक्षा सत्र के आगाज होने पर अभिभावको ने मॉग की है कि शहर की शासकीय शालाओं में पर्याप्त शिक्षक रखे जाएँ, जो शिक्षक अकर्मण्य और नशा करने के आदी है उन्हे हटाया जाए, शालाओं के आस पास के अतिक्रमण हटाये जाए, स्कूलो के खेलकूद के मैदानो को व्यावस्थित स्वरूप दिया जाए। वही महापुरूषो की जयंती कार्यक्रम तथा बच्चो को संस्कारित करने वाले विविध आयोजन करने हर स्कूल प्रचार्य को निर्देशित किया जाए तथा प्रदेश सरकार की हर बच्चे को शिक्षित करने की मंशा को पूर्ण किया जाए। अभिभावको ने शासन प्रशासन से शासन प्रशासन ने नगर की शासकीय शालाओं के कायाकल्प कराने की भी गुहार लगायी है। साथ ही साथ पुलिस प्रशासन से अपेक्षा जताई गई है कि जिस प्रकार से नगर में स्कूलों के समय यानि की दोपहर 10 बजे से 12 बजे तक तथा शाम 4 बजे से 6 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा हुआ है उसका सख्ती के साथ पालन किया जावे।

भटेरा के पीएमश्री स्कूल में पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये विधायक पटैल ने किया पौधरोपण, देवी स्वरूपा कन्याओं के चरण स्पर्श करते हुये वितरित की गई साईकिलें

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सोमवार को क्षेत्र के साईंखेड़ा ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम भटेरा के पीएमश्री शासकीय हाईस्कूल में क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधे रोपित करते हुये कहा कि हमारे व आपके द्वारा रोपित किया गया एक पौधा जब पेड़ बनेगा तो निश्चित तौर से वह मीठे फल देने के साथ साथ गर्मी से बचने के लिये छाव तो देगा ही दूसरी ओर इस पृथ्वी पर मौजूद हर प्राणी के प्राणों की रक्षा के लिये ऑक्सीजन देने से नही चूकेगा। हम लोगों को पेड़ो की उपयोगिता अभी समझ में नही आ रही है। मगर जब पर्यावरण पूर्णरूप से बिगड़ चुका होगा तक इन पेड़ो के महत्व को समझेंगे तक तक काफी देर हो चुकी होगी। पर्यावरण की रक्षा के लिये आज यहां पर मौजूद हर व्यक्ति को संकल्प लेने की जरूरत है कि वह अपनी माँ या फिर परिवार के किसी भी सदस्य के जन्म दिन अवसर हो या फिर कोई भी कार्यक्रम के दौरान जहां जगह मिले एक पेड़ जरूर लगाये। इस वर्ष भगवान की कृपा से जामुन का सीजन अच्छा रहा है और हर व्यक्ति से जामुन खाते हुये उसकी गुठली यहां वहां फैकी गई हो जब बारिश का दौर शुर होगा तो वही गुठली पौधा के रूप में दिखाई देना शुरू जावेगा। उन पौधों को यदि अपने खेतों की मेड या फिर अन्य जगहों पर रोपित करेगे तो कुछ वर्षो में वह पेड़ बनकर हर साल जामुन का स्वाद लेने का अवसर तो प्रदान करेगे ही साथ ही साथ हमारे पर्यावरण की रक्षा करने से नही चूकेगे। इस दौरान उन्होने म.प्र. शासन की स्कूली बच्चों के लिये चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजना के तहत निःशुल्क साईकिल वितरण करते हुये 25 छात्र छात्राओं को साईकिलो का वितरण भी किया। छात्राओं को साईकिले देने के पहले जहां सभी छात्राओं के चरण स्पर्श करते हुये पुष्पा वर्षा करते हुये उनका पूजन कर आर्शीवाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य अरविंद कुमार गुबरेले की सेवानिवृति पर आयोजित विदाभिनंदन कार्यक्रम में कहा कि प्राचार्य श्री गुबरेले ने अपने कार्यकाल में केवल विद्यालय का प्रशासन ही नहीं संभाला, बल्कि प्रत्येक शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी का मार्गदर्शन भी किया। इन्होने शिक्षा को केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि संस्कार, अनुशासन, नैतिकता और राष्ट्रप्रेम के मूल्यों को भी विद्यार्थियों के जीवन में स्थापित करने का सतत प्रयास किया। इनके नेतृत्व में विद्यालय ने अनेक उपलब्धियाँ प्राप्त कीं गई है। इन्होंने शिक्षा के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास को भी समान महत्व दिया। विधायक पटैल ने आगे कहा कि सभी छात्र छात्राओं को पेड़ जरूर लगाना चाहिए एवं बेहतर पढ़ाई करना चाहिए। छात्र छात्राओं एवं स्कूल स्टॉफ द्वारा विद्यालय के हायर सेकेण्डरी में उन्नयन की मांग पर कहा कि उनके द्वारा इस संबंध में प्रयास जारी है। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य बिचुआ सतीश नाईक एवं सतीश साहू ने किया कार्यक्रम में ईश्वर गुर्जर, राम गोपाल गुर्जर, भैया जी टेकन, सरपंच राजू लोधी, प्राचार्य सुनीता पटैल,जयमोहन शर्मा, बीआरसी डी के पटैल, संदीप स्थापक, नगेंद्र त्रिपाठी, मधुसूदन पटैल,अरविंद शर्मा, संगीता मेहरा, पोषराज मेहरा, भगवती मेहरा सहित ग्रामवासी व छात्र छात्राये मौजूद थें।

आने वाले अगस्त माह में लगेगी राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की कार्यशाला, क्षेत्र लोगों को मिलेगा रंगमंच क्षेत्र में प्रदर्शन का मौका

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कला और रंगमंच के क्षेत्र में नगर सहित क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। बताया जाता है कि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी), नई दिल्ली ने रंगसरोकार नाट्य प्रसार समिति ने आने वाले अगस्त माह में गाडरवारा में प्रस्तावित नाट्य कार्यशाला आयोजित करने के लिए सैद्धांतिक (इन-प्रिंसिपल) स्वीकृति प्रदान की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह निःशुल्क नाट्य कार्यशाला अगस्त माह में गाडरवारा शहर में आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला का संचालन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (NSD) के स्नातकों द्वारा किया जाएगा तथा इसमें देश के प्रख्यात लेखक एवं अभिनेता आशुतोष राणा के मार्गदर्शन का लाभ नगर सहित संपूर्ण जिले के प्रतिभागियों को मिलेगा। यह कार्यशाला रंगमंच, अभिनय, संवाद अदायगी, शारीरिक अभिव्यक्ति, मंच संचालन और नाट्य कला की विभिन्न विधाओं पर आधारित होगी। इसका उद्देश्य जिले के युवाओं एवं कला प्रेमियों को पेशेवर प्रशिक्षण उपलब्ध कराना और स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर देना है। आयोजकों ने बताया कि कार्यशाला में सीमित सीटें उपलब्ध रहेंगी और प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क होगा। फिलहाल इस कार्यशाला को लेकर यह प्रारंभिक सूचना जारी की गई है। कार्यशाला की तिथि, पंजीयन प्रक्रिया, पात्रता, समय-सारिणी एवं अन्य आवश्यक जानकारियां शीघ्र ही सार्वजनिक किये जाने की संभावना है..? रंगमंच और अभिनय में रुचि रखने वाले युवाओं से अपेक्षा व्यक्त की गई है कि वे आगामी आधिकारिक सूचनाओं पर नजर बनाए रखें और समय पर अपना पंजीयन कराएं। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा ने कहा कि यह कार्यशाला क्षेत्र की सांस्कृतिक प्रतिभाओं को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और गाडरवारा के युवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण का सुनहरा अवसर साबित होगी जिससे नगर का नाम देश के कौने कौने तक पहुंचने से नही चूकेगा।

पानी टंकी क्षेत्र में कुत्तों के अंतक से राहगीर हो रहे परेशान, श्वान स्नेह आमजन पर पड़ रहा है भारी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इन दिनों देखा जा रहा है कि शहर में अधिकतर आवारा कुत्तें खुजली बीमारी की चपेट में जान पड़ रहे है। इससे गली चौराहों से आने जाने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ रही है। वही दूसरी ओर इन बीमार कुत्तों से अन्य कुत्तें तो चपेट में आ ही रहे है बल्कि इंसानों में भी यह बीमारी फैलने की आशंका बनते हुये दिखाई दे रही है? यूं फैलती है बीमारी-आवार कुत्तों को अमूमन खुजली की बीमारी फंगस, फफूंद तथा पैरासाइट की वजह से होती है। पालतू कुत्तों की समय समय पर सफाई होने से इनमें बीमारी कम पाई जाती है। लेकिन आवारा कुत्तों में सफाई के अभाव में बीमारी ज्यादा होती है जो बातावरण में फैलाता प्रदूषण भी मुख्य कारण है। प्रदूषित पानी पीने या प्रदूषित धूल कण में लेटने से भी खुजली की बीमारी की समस्या पैदा हो रही है। इंसानों को भी खतरा-पशु चिकित्साकों के अनुसार खुजली से पीड़ित कुत्तें बीमारी से परेशान होकर इधर उधर तेजी से घूमतें है, जिससे पास से निकलने वाले लोगों को भी इनके कीटाणु फैलतें है। बच्चों को अधिक सावधानी रखनी चाहिए। क्योंकि बच्चों में नासमझी की वजह से बच्चों के इनके सम्पर्क में आने या छू लेने से उन्हे भी बीमारी लगने की संभावना रहती है। वही दूसरी ओर बीते हुये कुछ महिनों से देखा जा रहा है शाम होते ही नगर की पानी टंकी क्षेत्र में जिस प्रकार से कुत्तो का आतंक इस तरह होता है कि दो पहिया वाहन चालकों के पीछे दौड़ने से नही चूकते है। इस तरह जब कोई बाइक चालक अपनी गति से जा रहा होता है और यहां पर घुमने वाले आवारा कुत्तों का झुंड अचानक भौगते हुये बाहन के पीछे हमला करने की मुद्रा में दौड़ता है तो मोटर साईकिल चालक अपना नियंत्रण खोने से नही चूकता है। इस स्थिति में जहां दुर्घटनाओं की संभावना पैदा होने से नही चूक पा रही है..? प्रतिदिन देखा जाता है कि कुछ लोगों द्वारा आटों के माध्यम से कुत्तों को भोजन कराने के लिये पहुंचते है। इस तरह कुत्तों को भोजन किराना बुरी बात नही है। मगर इस तरह कुत्ता को रहवासी व मुख्य मार्ग किनारे खिलाये जाने के कारण कुत्तों का झुंड पानी टंकी क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर ही अपना डेरा जमाये रहता है। इस स्थिति में वह इस मार्ग से निकलने वाले वाहन चालकों के ऊपर हमला बोलने की स्थिति में जब पीछे दौड़ते है तो वाहन चालक दुर्घटना के शिकार होने से नही बच पा रहे है। शासन प्रशासन से आम लोगों द्वारा मांग की जा रही है कि कुत्तों का भोजन देने के लिये आने वाली इस समिति को किसी अन्य इस तरह की जगह पर भोजन देने के लिये निर्देशित किया जावे जिससे कुत्तों को भोजन भी मिल जावे और यह कुत्ता आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा न कर पाये..?

बफर सिस्टम में बर्बाद किया जा रहा है भोजन

स्वरूचि भोज अब गांवों में भी बना फैशन, लाखों के अन्न की हो रही बरबादी ?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

कुछ साल पहले तक गांव देहातों मे जिसे गिद्धभोज की संज्ञा देते हुये सुना जाता था वह बफर सिस्टम अब गांवों में भी एक रूप से रिवाज बन चुका है? जो लोग आज हमारे हिन्दू धर्म की परम्परा के अनुसार पंगत से यानि प्रतिभोज कराते है उन्हें लोग हीन भावना से देखने लगे है? यहां तक की गांव कस्बों मे भी स्वरूचि भोजन ने पंगत का स्थान ले लिया है, कहते है कि नकल मे भी अकल की जरूरत होती है, जिसकी हमारे मध्यमवर्गीय समाज मे निहायत कमी नजर आती है? नतीजा यह है कि जिस देश मे करोड़ों लोग दाने- दाने को मोहताज है, उसी देश मे आज के समय में शादियों और इस तरह के अन्य समारोहो मे आयोजित होने वाले बफर यानि स्वरूचिभोज मे लोग बेरहमी से तमाम खाद्य पदार्थ प्लेटों मे भरकर और आधा अधूरा खाकर हजारों रूपये के खाद्य पदार्थ यानि की अन्न देवता की बरबादी कर रहे है। जबकि सही मायने में देखा जावे तो उस भोजन अन्न के लिए आज भी कई परिवार महंगाई के दौर में तरस रहे है? आमतौर पर कुछ समय पहले तक हमारे देश में लोग पंगत मे बैठकर खाने को लोग सम्मान की दृष्टि से देखते थें, मगर अब लोगों ने अपनी फैसन के चलते उसे भूलकर बफर में खड़े होकर खाने को अपना सम्मान समझने लगे है? चाहे धनाढ्य वर्ग हो या मध्यमवर्गीय परिवार इस भोज को उसने अपनाया है और लोगों के सामनें अपनी हैसियत दिखाने के लिए वह तरह तरह के व्यंजन

बफर मे रखता है और लोगों के जीभ मे व्यंजन देखकर पानी भर आता है और लोग असत्तपन की हद तक जाकर अपनी प्लेटों मे खाना तो भरपूर रख लेते है पर खा नही पाते और उसे थोड़ी देर बाद पास मे पड़े डिब्बे मे छोड़ देते है और बाद मे बेटरों द्वारा इस

महत्वपूर्ण भोज्य पदार्थ को ले जाकर कचरे के ढेर जैसे लगा दिया जाता है? कुछ गरीब तबके के लोग इसी ढेर से खाद्य सामग्री बीनकर अपना व अपने बच्चों का पेट भरते है और बाकी खाद्य पदार्थ फेंक दिया जाता है? पहले यह होता था कि पंगत मे लोगों को बैठाकर पूछ पूछकर खाना परोसा जाता था, लोगों को इसमे आत्मानुभूति होती थी, पेट भी भरता था और खाने की बरबादी भी नही होती थी और पगंत में पतल में खाने में मजा भी आता था, परन्तु अब इसके उलट स्वरूचिभोज यानि बफर एक फैशन बन गया है और उसमे खाने की बरबादी भी शामिल हो गई है। लोग प्लेट मे लेकर छोड़ देने की आदत को रिवाज सा समझने लगे है। जिस तरह भोजन की बरबादी होती है यदि वही भोजन किसी गरीब बस्ती मे बांटा जाये तो कई भूखे परिवारों का पेट भरा जा सकता है।

दूषित फल, सब्जियों से फैल सकती है बीमारियां

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। वर्तमान में चल रहे मौसम के मिजाज में परिवर्तन आने की वजह से आमजन सर्दी जुखाम के आलवा मलेरिया, उल्टी दस्त सहित वायरल फीवर, जोड़ो मे दर्द की बीमारियों की चपेट में शहरवासी आ रहे है। बावजूद इसके शहर की सफाई व्यवस्था की स्थिति जहां गफलत बाजी की भेंट चढ़ते हुये नजर आ रही है। वही बाजार में धड़ल्ले से दूषित फल और सब्जियां भी बेची जा रही है? बताया जाता है इस समय मौसूम अनुकूल न होने से आसपास के गांवों मे सब्जियो का उत्पादन ज्यादा न होने से अन्य शहरों से जो सब्जियां बाजार में बिकने आ रही है उनका रूप रंग तो आकर्षित रहता है, इसके अलावा फलों को भी अस्वाभाविक तरीके से पकाकर बेचा जा रहा है। शहर के चिकित्सकों का कहना है कि दूषित पानी के साथ सडी गली सब्जियां लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालती है तथा सब्जी व फलों को आकर्षित बनाने वाले रंगों के उपयोग से बहुत सी बीमारियां फैलने की सम्भावना बनी रहती है। उल्लेखनीय है कि इस सच को जानते हुए कि नगर में दूषित फल, सब्जियों का विक्रय हो रहा है, मगर इसके बाद भी संबांधित विभाग पूर्ण रूप से जिस प्रकार से मौन साधे हुये वह चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रहा है।

क्षेत्र में लगातार हो रही अवैध रूप से पशुओं की तस्करी प्रशासन मौन

हरिभूमि न्यूज/सांईखेडा। इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि आस पास के कस्वा क्षेत्रों में लगने वाले साप्ताहिक मवेशी बाजारों के माध्यम से खुलेआम पशुओं की तस्करी होने की चर्चा आम होती जा रही है, जिसमें बताया जा रहा है कि क्षेत्र में लगने वाले इस मवेशी बाजार में सैकड़ो की संख्या में पशु बिक्री के लिये आते जो कुछ ऐंसे भी पशु होते हैं जिसमें प्रमुख रूप से बैल जो कृषि योग्य नहीं होते व गायें जो दूध देना बंद कर देती हैं उन्हें कुछ दलालनुमा व्यक्ति ऐंसे पशुओं को दलाल कसाईयों को दोगुनी कीमत के माध्यम से पशु मालिकों से खरीदवा देते हैं और पशु मालिक भी थोड़े से पैसों के लालच में जिन्दगी भर घी दूध देने वाली गायों व गर्मी धूप व बरसात के मौसम में मेहनत कर कमाई खिलाने वाले बैलों को इन कसाईयों के हवाले कर देते हैं। जनचर्चाओं में तो यह तक बताया जाता है कि बाजार के दिन बाहर से आने वाले इन कसाईयों के कुछ दलाल गाँव गाँव घूमकर इस प्रकार के बूढ़े पशुओं की खोज करते हुये पशु मालिकों को उन्हें बेचने के लिये उकसाते हुये देखा जा सकता हैं और इन दलालों की बातों में आकर पशु मालिकों का भी लोभ लग जाता है और यह बाजारों में उन पशुओं को लाते हैं और दलालों के माध्यम से बाजार के बाहर ही पशुओं को बेच कर चले जाते हैं जिसका जीता जागता उदाहरण विगत वर्षो में सांईखेड़ा, चीचली व गाडरवारा थाने के अंतर्गत अवैद्य रूप से पशु ले जाने वालों को पकड़कर पुलिस ने सिद्ध कर दिया था। मगर वर्तमान समय में पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली कही जावे या फिर इस तरह पशुओं पर अत्याचार करने वालों के ऊपर प्रभावशालियों का हाथ होने के चलते इस प्रकार के पशु तस्कारों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है? इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में लगने वाले साप्ताहिक पशु बाजारों के दिन सड़कों व कूररूता पूर्वक पशुओं को भरकर ले जाने वाले गाड़ियों की लम्बी लाईने देखने मिल रही है। गौर किया जावे तो इसके बाद भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही न होना जहां चिंता का विषय बना हुआ है। वही दूसरी ओर शासन प्रशासन को इस प्रकार के दलालों के माध्यम से हो रही तस्करी पर रोक लगाई जानी चाहिये, आमजन द्वारा तो यह तक आरोप लगाया जाता है कि इस प्रकार के पशुओं की खरीदी कर ट्रकों के माध्यम से प्रशासन के अधिकारियों की ही मिली भगत से बाहर ले जाया जाता है? यह बात कहा तक सत्य है इसे तो भगवान ही जाने? मगर पशुओं की लगातार हो रही तस्करी से पुलिस की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगते हुए नजर आ रहा है।

यात्री प्रतिक्षालय न होने से यात्री हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/ कौड़िया। एक ओर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व पंचायतों द्वारा अनेक निर्माण कार्य कराने का ढ़डिोरा पीटा जा रहा है मगर वही दूसरी ओर लोग आज भी अनेक प्रकार की समस्याओं से जूझते हुए देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर अनेक ग्रामों में देखा जाता है कि पंचायतों व जनप्रतिनियों द्वारा लाखों रूपया खर्च कर ऐसे निर्माण कार्य करा दिया जाते है जिनका कोई उपयोग ही नही होता है और जहां जिसकी मांग व जरूरत होती है वहां वह निर्माण कार्य नही हो पाने से जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है, कुछ इसी प्रकार की स्थिति जनपद पंचायत चावरपाठा के अंतर्गत ग्राम कौड़िया में देखने को मिल रही है। जहां क्षेत्रवासियों ने हरिभूमि को जानकारी देते हुये बताया है कि ग्राम कौड़िया बाजार मुहल्ला में के प्रमुख चौराहे पर प्रतीक्षालय न होने के कारण यात्रियों को यहां वहां चाय पान की दुकानो पर भटकना पड़ता है, जिसमे सबसे ज्यादा परेशानी का सामना महिला यात्रियों को उठाना पड़ता है,साथ ही साथ मनचले युवकों की छीटाकशी का भी शिकार होकर महिला यात्रियों को अपमान का कडवा जहर पीने मजबूर होती है, लोगों का कहना है कि शासन द्वारा बाजार मे यात्री प्रतिक्षालय की मांग लम्बे समय से की जा रही है। मगर इस ओर आज तक किसी भी जनप्रतिनिधि व नेता ने ध्यान नही दिया है, यदि गौर किया जावे तो कौड़यिा बाजार में प्रतिदिन कोठिया, लिलवानी, सूकरी, नरवारा, बिचुआ, चिर्रिया, महगवां, सडूमर, करहैया, सलैया, देगवा, सुपारी सहित अनेक गांवों के लोगों का आना जाना होता है,मगर यहां पर यात्री प्रतिक्षालय न होने के कारण यहां वहां भटकते रहते है जिसमें गर्मी के समय में तो यात्रियों को धूप की मार का भी सामना करना पड़ता है। वही दूसरी ओर साप्ताहित बाजार लगने के दिन शानिवार को स्थिति और भयानक हो जाती है, जिसके चलते क्षेत्र के लोगों ने शासन प्रशासन से शीघ्र यात्री प्रतिक्षालय बनाये जाने की मांग की गई है।

खबर संक्षेप

नहर निर्माण के तीन साल बाद भी नहीं मिला मुआवजा, किसान ने एसडीएम से लगाई गुहार

शहपुरा। शहपुरा तहसील के ग्राम पथरकटा निवासी किसान मंगल सिंह परस्ते ने अपनी कृषि भूमि से निकाली गई नहर का मुआवजा तीन वर्ष बाद भी नहीं मिलने पर अनुविभागीय अधिकारी ;राजस्वद्ध शाहपुरा को आवेदन सौंपकर शीघ्र भुगतान की मांग की है।आवेदन के अनुसारए किसान की खसरा क्रमांक 195ए रकबा 0ण्6500 हेक्टेयर भूमि से बिलगढ़ा बांध की नहर का निर्माण किया गया था। मंगल सिंह का आरोप है कि नहर निर्माण के बाद से वह लगातार सिंचाई विभाग के एसडीओ कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैंए लेकिन अब तक उन्हें मुआवजा राशि का भुगतान नहीं किया गया। उनका कहना है कि विभागीय अधिकारी हर बार आश्वासन देकर मामले को टाल देते हैं।किसान ने बताया कि खेत के बीच से नहर गुजरने के कारण पिछले तीन वर्षों से वह गेहूं की फसल नहीं बो पा रहे हैंए जिससे उन्हें लगातार आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके बावजूद संबंधित विभाग ने अब तक मुआवजा राशि जारी नहीं की है।मंगल सिंह ने एसडीएम से मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए जल्द से जल्द मुआवजा राशि का भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की हैए ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके।

सेवा बहाली की मांग को लेकर महिला ने एसडीएम से लगाई गुहार

शहपुरा। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय शहपुरा में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान स्वास्थ्य विभाग बिछिया में कार्यरत रही एक महिला ने सेवा बहाली की मांग को लेकर एसडीएम को आवेदन सौंपा। महिला ने चेतावनी दी कि यदि जल्द उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वह स्वास्थ्य केंद्र बिछिया के सामने आमरण अनशन शुरू करेगीए जिसकी जिम्मेदारी शासनए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की होगी।आवेदन में महिला ने बताया कि वह स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत अस्पताल में कई वर्षों तक मेल बाई ;सफाई कर्मचारीद्ध के रूप में कार्यरत रही। इस दौरान उसने पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपनी सेवाएं दींए लेकिन बिना किसी पूर्व सूचना अथवा कारण बताए उसे कार्य से हटा दिया गया। इसके बाद उसके परिवार के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है और आजीविका चलाना कठिन हो गया है।महिला का कहना है कि सेवा से हटाए जाने के बाद उसने कई बार संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायतें दीं और जनसुनवाई में भी आवेदन प्रस्तुत किएए लेकिन अब तक उसकी शिकायत का निराकरण नहीं हुआ। लगातार अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगाने के बावजूद उसे न्याय नहीं मिल सका। महिला ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर सेवा से हटाए जाने की कार्रवाई की समीक्षा करने तथा उसे पुनः सेवा में बहाल करने की मांग की है। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो वह स्वास्थ्य केंद्र बिछिया के सामने आमरण अनशन पर बैठेगीए जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासनए प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की होगी।

जनसुनवाई में पहुंचे 47 आवेदन, कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

छात्रा को रेडक्रॉस से मिली 5 हजार रुपये की सहायता

डिंडौरी।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने जिले के विभिन्न विकासखंडों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में शिक्षाए आर्थिक सहायताए राजस्वए पेयजलए सड़कए अनुकंपा नियुक्तिए संबल योजनाए नामांतरण एवं सार्वजनिक सुविधाओं सहित विभिन्न विषयों से जुड़े कुल 47 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समय.सीमा में जांच कर गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान अमरपुर निवासी छात्रा फरहत सायमा ने पिता के निधन के बाद आर्थिक तंगी के चलते उच्च शिक्षा के लिए सहायता की मांग की। कलेक्टर ने संवेदनशीलता दिखाते हुए रेडक्रॉस मद से छात्रा को तत्काल 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की।ग्राम राघोपुर निवासी अजमेर सिंह मरकाम ने शिकायत दर्ज कराई कि उनकी माता की मृत्यु के दो वर्ष बाद भी संबल योजना के अंतर्गत मिलने वाली अनुग्रह सहायता राशि का भुगतान नहीं हुआ है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को जांच

कर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।समनापुर जनपद की ग्राम पंचायत ददराटोला के ग्रामीणों ने बरसात के दौरान आवागमन में होने वाली परेशानी का उल्लेख करते हुए पक्की सड़क निर्माण की मांग रखी। ग्रामीणों ने बताया कि वर्षा ऋतु में विद्यार्थियों एवं मरीजों को आने.जाने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कलेक्टर ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।धनुवासागर के ग्रामीणों ने सार्वजनिक हैंडपंप से अतिक्रमण हटाने की मांग कीए जिस पर तहसीलदार डिंडौरी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं शहपुरा निवासी रूपेश गिरी गोस्वामी ने प्रतिबंधित पीएसीएल भूमि के पंजीयन एवं नामांतरण की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। इस मामले की जांच के लिए एसडीएम शहपुरा को निर्देशित किया गया।जनसुनवाई में संदीप सिंह ठाकुर ने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 15 मई 2025 को शाहपुरा में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में साफा ;पगड़ीद्ध की शेष भुगतान राशि दिलाने की मांग की। वहीं मवई निवासी बालकेश चंदनिया ने अपने दिवंगत पिताए जो अमरपुर विकासखंड के प्राथमिक शाला चंद्रागढ़ में शिक्षक थेए के निधन के बाद लंबित अनुकंपा नियुक्ति का मामला उठाया। कलेक्टर ने सहायक आयुक्तए जनजातीय कार्य विभाग को प्रकरण का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों पर कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित जांच कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरीए अपर कलेक्टर जेण्पीण यादवए संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावीए एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक बारिश में खुली नगर परिषद की व्यवस्थाओं की पोल, जलभराव से वार्ड क्रमांक 9 के रहवासी परेशान

डिंडौरी।

नगर परिषद की सफाई व्यवस्था और जल निकासी प्रबंधन की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। पहली ही तेज बारिश के बाद वार्ड क्रमांक 09 में नालियों का गंदा पानी सड़कों और घरों तक पहुंच गयाए जिससे क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बन गई। गंदगी और दुर्गंध के कारण स्थानीय रहवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ाए वहीं अस्वच्छ वातावरण से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

जानकारी के अनुसारए अनुविभागीय अधिकारी ;राजस्वद्ध ने 24 जून को मुख्य नगर परिषद अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए थे। इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों एवं वार्ड प्रभारी द्वारा समय रहते नालियों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त नहीं कराई गई। परिणामस्वरूप बारिश के बाद पूरे क्षेत्र में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि प्रशासनिक निर्देशों का समय पर पालन किया जाता और नियमित निरीक्षण के साथ सफाई कार्य कराया जाताए तो इस स्थिति से बचा जा सकता था। घटना के बाद नगर परिषद की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

अधिवक्ता सम्यक जैन ने मामले को जनहित का विषय बताते हुए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालयए जबलपुर के रजिस्ट्रार को ई.मेल के माध्यम से जनहित याचिका भेजकर स्वतः संज्ञान लेने और आवश्यक हस्तक्षेप की मांग की है। याचिका में नगर परिषद की लापरवाही की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने तथा नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है।स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद यदि समय रहते जल निकासी और सफाई व्यवस्था पर ध्यान देती तो आम नागरिकों को इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।

बाटकेश्वर धाम की प्राचीन बावड़ी में मनाया गया बावड़ी उत्सव, जल संरक्षण का दिया संदेश

शहपुरा।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में विकासखंड शहपुरा के ग्राम बड़खेरा स्थित बाटकेश्वर धाम की प्राचीन बावड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर बावड़ी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवांकुर सखियोंए जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम की शुरुआत प्राचीन बावड़ी की सामूहिक श्रमदान के माध्यम से साफ.सफाई से हुई। इसके बाद बावड़ी की पुताई कर दीपों से सजाया गया तथा विधि.विधान से पूजन.अर्चन एवं दीपदान किया गया। नवांकुर सखियों ने ग्राम की खेरमाई मड़िया पहुंचकर वट एवं महुआ वृक्षों का पूजन किया। पारंपरिक गीतों एवं वृक्षों की परिक्रमा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।कार्यक्रम का संचालन विकासखंड समन्वयक डॉण नीलेश्वरी वैश्य ने किया। उन्होंने

जल संकट की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण और जल बचाने की आवश्यकता पर बल दिया। जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान ने पौधारोपण और प्राचीन जल संरचनाओं के संरक्षण एवं पुनर्जीवन को समय की जरूरत बताते हुए जल संरक्षण को सामूहिक जिम्मेदारी बताया।

नवांकुर संस्था प्रभारी रामलाल रजक ने उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। ग्राम सरपंच पुष्पा बाई ने कहा कि बावड़ियां हमारी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर हैंए जिनका संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। वहीं ग्राम पंचायत सचिव हनुमंत सिंह ने जल बचाने और अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की।कार्यक्रम के समापन पर मंदिर एवं बावड़ी को दीपों से सजाकर सामूहिक आरती की गई तथा समरसता भोज का आयोजन हुआ। इस अवसर पर नवांकुर संस्था प्रभारी शंभु विश्वकर्माए सुरेंद्र झारियाए महेंद्र झारियाए हरप्रसाद सिंहए बलराम सिंहए मेंटर्स गोपाल रैदासए कमल साहूए राम अभिषेक तिवारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं नवांकुर सखियां उपस्थित रहीं।

करंजिया जनपद में नशा मुक्ति की शपथ, जन जागरूकता कार्यक्रमों से दिया नशामुक्त समाज का संदेश

डिंडौरी।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत करंजिया जनपद के विभिन्न ग्रामों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में मंगलवार को नशा मुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियोंए अधिकारियोंए कर्मचारियोंए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओंए सहायिकाओंए किशोर. किशोरियों एवं ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। प्रतिभागियों ने स्वयं नशे से दूर रहने के साथ अपने परिवारए समाज और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर नशे से होने वाले शारीरिकए मानसिकए सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। साथ ही स्वस्थए सुरक्षित और नशामुक्त जीवनशैली अपनाने का संदेश देते हुए युवाओं से शिक्षाए खेलकूद और अन्य सकारात्मक गतिविधियों से जुड़कर नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की अपील की गई।कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया।

35 वर्षों की सेवा उपरांत सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य रविशंकर साहू सेवानिवृत्त

शहपुरा

सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालयए शहपुरा के प्राचार्य रविशंकर साहू नियमानुसार 58 वर्ष की आयु पूर्ण करने के उपरांत सेवानिवृत्त हो गए। उनके सेवानिवृत्ति अवसर पर विद्यालय परिसर में गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गयाए जिसमें भावनात्मक माहौल के बीच उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।रविशंकर साहू ने सरस्वती शिशु मंदिर परिवार में लगभग 35 वर्षों तक विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए शिक्षाए संस्कार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान कीं। उनके कार्यकाल में विद्यालय ने शैक्षणिकए सांस्कृतिक एवं नैतिक शिक्षा के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल कीं। विदाई समारोह में विद्यालय परिवार ने उनके दीर्घकालीन योगदान की सराहना करते हुए स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि रविशंकर साहू ने अपने समर्पणए अनुशासन और कार्यकुशलता से विद्यालय एवं समाज में एक अलग पहचान बनाई है। समारोह में उनके परिवारजनए समस्त विद्यालय स्टाफए पूर्व छात्र.छात्राएंए अभिभावक तथा नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने उनके स्वस्थए सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी।

42 वर्षों की शासकीय सेवा के बाद शिक्षक कृष्ण कुमार अग्रवाल सेवानिवृत्त, समारोह में हुआ सम्मान

शहपुरा।

एकीकृत माध्यमिक शाला रनगांव में पदस्थ शिक्षक कृष्ण कुमार अग्रवाल 42 वर्षों की गौरवपूर्ण शासकीय सेवा पूर्ण करने के बाद सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गयाए जिसमें जनप्रतिनिधियों शिक्षकों परिजनों मित्रों और स्थानीय नागरिकों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। अपने सेवाकाल के दौरान कृष्ण कुमार अग्रवाल ने शिक्षक के साथ.साथ बीएसी एवं सीएसी जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। शिक्षा की गुणवत्ता सुधारनेए अनुशासन और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति उनके समर्पण की वक्ताओं ने सराहना करते हुए उनके योगदान को प्रेरणादायी बताया। समारोह में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने शॉलए श्रीफल एवं स्मृति.चिन्ह भेंट कर कृष्ण कुमार अग्रवाल का सम्मान किया और उनके स्वस्थए सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक अजय साहूए तीरथ साहूए दिलीप रजक हरकिशन तेजवानी गोविन्द प्रसाद दुबे राजेश कछवाहा चित्रेश सेनए मंगलिया वरकड़े लाजवंती जीबनानी अमर उलाड़ी सहित शाला परिवारए परिजन मित्रगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अश्वनी साहू ने किया।समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने कृष्ण कुमार अग्रवाल के शिक्षा क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान को याद करते हुए उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

पुलिस द्वारा निकाली गई साइबर सुरक्षा रैली

अमरपुर। पुलिस अधीक्षक डिंडौरी के निर्देशन में पुलिस चौकी प्रभारी अमरपुर संतोष यादव के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक हरे सिंह सैयामए सुदेश कोकड़ियाए खेमराज गायग्वालए आरक्षक संतोष धुर्वेए अजीत आदि ने जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों के सहयोग से साप्ताहिक हाट बाजार अमरपुर में रैली निकालकर आमजनों को साइबर अपराध क्या हैंए इससे कैसे बचा जा सकता हैंए साइबर अपराध के शिकार हो जाने पर बगैर देरी किए सभी सबूत एकत्र करेंए अपराध की सूचना साइबर सेल या नजदीकी पुलिस थानाए चौकी में बगैर संकोच सूचना देंए बैंक खाते से संबंधित हो तो बैंक खाते से निकासी में रोक लगाने में समय न गंवाया जाएए अनजान व्यक्ति से अपने मोबाइल संबंधित ओटीपी आदि साझा न करने सुझाव दिए गए। साइबर अपराध की सूचना तत्काल 1930 में कॉल कर दे सकते हैं। यह नंबर 24 घंटे खुला रहता हैं। इसके साथ ही और भी नंबर दिए गए हैं जिनमें तुरंत संपर्क किया जा सकता हैं।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

14

जबलपुर, बुधवार 1 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

काव्य दीप सम्मान से सम्मानित होंगी मेघा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर की महिला महिला कवयित्री वाह भाई वाह फेम मेघा आनंद मिश्रा को प्रतिष्ठित काव्य दीप सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। हिंदी साहित्य में विशेष योगदान और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इन्हें ये सम्मान दिया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन आज 1 जुलाई को इंदौर के प्रीतम लाल दुआसा सभागार में आयोजित किया जाएगा।

सेवानिवृत्ति पर स्मृति चिह्न भेंट कर दी विदाई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पीएचई कार्यालय करेली में कार्यभारित हेल्पर के पद पर पदस्थ दशरथ प्रसाद कहार को सेवानिवृत्ति विदाई दी गई। श्री कहार की विभाग के प्रति समर्पित सेवा पर प्रसन्नता जताते हुए शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया सम्मानित कर विदाई दी गई।

जनसुनवाई में आये 110 आवेदन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर श्रीमती देवंती परते, एसडीएम नरसिंहपुर श्रीमती कलावती ब्यारे सहित अन्य अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनी और आवेदन लिए। जिले के नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 110 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया।

जल एवं पर्यावरण संरक्षण का निभाना होगा दायित्व: जालम सिंह

जनप्रतिनिधियों व नागरिकों ने किया वृहद पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और जनभागीदारी को समर्पित जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन मंगलवार को जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत रानी पिपरिया स्थित खेरमाई माता मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम के साथ हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि जिले में नर्मदा सहित अन्य नदियों, तालाबों और जल स्त्रोतों की समृद्धि हमारे पूर्वजों की दूरदृष्टि और संरक्षण की भावना का परिणाम है। अब यह दायित्व हमारी पीढ़ी का है कि हम भी जल एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को जन आंदोलन बनाएं।

वट वृक्ष का किया पूजन अर्चन

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया ने वट वृक्ष का पूजन किया। इसके बाद सभी अतिथियों एवं नागरिकों ने ग्राम पंचायत की शासकीय भूमि पर वृहद स्तर पर पौधरोपण किया। अभियान के तहत लगभग 200 फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए तथा उनके संरक्षण के लिए तार फेंसिंग भी की गई। कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागीय अधिकारियों, जन अभियान परिषद के प्रतिनिधियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि अभियान के अंतर्गत निर्मित जल संरचनाओं का संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि जनभागीदारी और श्रमदान के माध्यम से जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जल संरक्षण के कार्य किए गए हैं। भू-जल स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से घरों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सोकपिट बनाए गए हैं तथा नागरिकों ने स्वेच्छा से जल संरक्षण एवं पौधरोपण में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई है।

वृक्षारोपण का किया आवाहन

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि नर्मदा सहित जिले की अन्य नदियां जल उपलब्धता का प्रमुख आधार हैं, लेकिन भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रयास लगातार जारी रखना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण मुक्त कराई गई शासकीय भूमि पर फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया है तथा कंटूर ट्रेंच बनाकर उनके संरक्षण की व्यवस्था की गई है। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों से खाली पड़ी भूमि का उपयोग पौधरोपण एवं जल संरक्षण के कार्यों में करने तथा नदी किनारों पर ऐसे पौधे लगाने का आग्रह किया, जो मिट्टी के कटाव को रोकने में सहायक हों। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान जिले में जनसहभागिता से लगभग 70 हजार जल संरचना इकाइयों का निर्माण किया गया।

जैविक खेती को दे बढ़ावा

उन्होंने रासायनिक खेती के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए जैविक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने सभी नागरिकों से रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिले की ग्राम पंचायतों ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं और आज किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम आने वाले वर्षों में निश्चित रूप से देखने को मिलेगा। साथ ही उन्होंने किसानों से पारंपरिक फसलों के साथ फल एवं सब्जी उत्पादन को भी अपनाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में किए गए विभिन्न कार्यों एवं उनकी उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की।

मारपीट के मामले में एसपी से लगाई गुहार, सरपंच पर भी आरोप

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली के ग्राम कुम्हडी निवासी धीरेन्द्र पटैल पिता प्रताप पटैल ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर बताया कि उसके चाचा के साथ मारपीट की गई किंतु कोतवाली पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस अधीक्षक से पीड़ति परिवार ने न्याय की है। लिखित शिकायत में धीरेंद्र पटेल ने बताया कि पुलिस थाना कोतवाली जिला नरसिंहपुर में पुलिस ने आवेदक के चाचा भैरो प्रसाद के साथ हुई मारपीट में हेमराज केवट, बैनी केवट, दर्शन केवट के बिरूद्ध अपराध क्रमांक 477/2026 का अपराध अपने मन से कहानी गढ़ते हुये लेख किया है जबकि घटना की रिपोर्ट आवेदक के चाचा भैरो प्रसाद द्वारा कहे अनुसार लेख नही की गई है उक्त घटना मे भैरो प्रसाद के साथ की गई मारपीट करने वालो को बचाया जा रहा है आवेदक के चाचा भैरो प्रसाद ने थाना कोतवाली नरसिंहपुर में घटना की जब रिपोर्ट की थी उस समय दीपक पटैल, संदीप पटैल, गजराज पटैल, नरेश पटैल, नेतराज पटैल, चेतराम पटैल, देवी सिंह पटैल, नंदलाल पटैल आवेदक स्वयं उपस्थित थे जिनके सामने थाने में आवेदक के चाचा भैरो प्रसाद ने पुलिस को बताया था कि दिनांक 28.6.2026 को रात करीब 9 बजे वह अमन सिंह केवट के धुबघट हार मे बने मकान पर शाम को बकरा खाने के निमंत्रण पर गये थे तो वहा पर उन्हे बुद्ध राम केवट भी मिले थे जिनसे आवेदक के चाचा ने ट्रेक्टर खरीदते समय उधार दिये 1,50,000- मांगे तो भैरो प्रसाद से बुद्ध राम केवट यह कहते हुये अपने घर चले गये कि घर पर बैठकर हिसाब कर लेगे जब करीब 1 घन्टा बाद भैरो प्रसाद करीब 9 बजे रात्रि मे अपने घर जाने के लिये अपने खेत (नांदवारे खेत) से घर जा रहे थे तो बुद्ध राम केवट, हेमराज केवट सरपंच, बेनी केवट, दर्शन केवट, अर्जुन केवट, रज्जू पटैल सभी लोग आये आवेदक का रास्ता रोककर गाली देकर बोले कि लोगो के सामने पैसा मांगता है बेज्जती करता है बडा पैसा वाला हो गया तो भैरोप्रसाद ने उन्हे गाली देने से मना किया, इस पर हेमराज केवट ने भैरोप्रसाद जान से मारने की नियत से देशी कट्टा से गोली चलाई तो वे भागे और भागने से गिर पडे तो सभी लोगो ने उन्हे उठाया उनका मोबाईल छुडाया सोने की चेन छुडा ली और पकडकर भैरो प्रसाद को नर्सरी टोला बुद्ध राम के घर पर ले गये और घर मे अंदर कर उनके साथ बुद्ध राम, हेमराज, बेनी केवट, दर्शन केवट, अर्जुन केवट, रज्जू पटैल ने लाठी, राड से मारपीट की जिससे उन्हे सिर मे हाथ, पैर, पीठ, जांघो मे व शरीर के अन्य जगह कई चोटे आई है उक्त लोगो ने मारपीट कर उन्हे स्कूल के ग्राउंड मे फेक दिया था 112 नंबर पर पुलिस को फोन लगाया था जिसमे पुलिस भैरो प्रसाद को थाने लेकर आई और उनके बताये अनुसार पुलिस ने रिपोर्ट नही लिखी। पीड़ति परिवार के धीरेन्द्र पटैल पिता प्रताप पटैल ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

वीरेंद्र को पीएचडी की उपाधि

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीते दिनों रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा महामहिम राष्ट्रपति की उपस्थिति में आयोजित किए दीक्षांत समारोह में वीरेन्द्र कुमार मेहरा को पी. एचडी. की उपाधि दी गई। डॉ मेहरा ने अपना शोध कार्य सामान्य एवं भारिया जनजाति के प्रसन्नता जीवन शैली एवं परोपकारी व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन विषय पर प्रो. कामना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। ज्ञात हो कि डॉ मेहरा जगदीश प्रसाद मेहरा एवं श्रीमती देवी बाई मेहरा के सुपुत्र है।

छात्र - छात्राओं को दी सायबर सुरक्षा की जानकारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना मुंगवानी पुलिस द्वारा शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा में कार्यक्रम आयोजित कर छात्र - छात्राओं को सायबर सुरक्षा को लेकर जागरूक करते हुए सायबर क्राईम डिजिटल अरेस्ट, फ्राड काल एलर्ट आदि के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई एवं इनसे बचने के उपाए बताए गए। कार्यक्रम में संस्था प्राचार्य एवं विद्यालय स्टाफ तथा पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

आदतन अपराधी पर कार्रवाई की मांग एसपी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मंगलवार को तेंदूखेड़ा के आसपास अनेक गांव के 200 से अधिक लोगों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एक आदतन अपराधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सभी ने पुलिस अधीक्षक से मांग की कि इस अपराधी को जिला बदल किया जाए। ग्रामीणों के साथ आए पूर्व विधायक भैयाराम पटैल, किसान नेता संतोष पटेल एवं किरार समाज के अध्यक्ष सहित अन्य लोगों ने पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर को ज्ञापन सौंपकर आरोपी विनीत विश्वकर्मा के विरुद्ध ज्ञापन देकर उसके पुराने अपराधों की जानकारी दी। साथ ही कहा कि तेंदूखेड़ा थाना द्वारा इसके खिलाफ कारगर कार्रवाई नहीं की जा रही। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि संबंधित व्यक्ति आदतन अपराधी है तथा उसके विरुद्ध पूर्व से कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी पर नशे का सेवन, मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी तथा क्षेत्र में भय का माहौल बनाने जैसे आरोप हैं। ज्ञापन में बताया गया कि 24 जून 2026 को युगलकिशोर पटैल उर्फ गोविंद पटैल पर लाठी से हमला किया गया, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आईं। किंतु थाना तेंदूखेड़ा द्वारा उचित कार्रवाई नहीं की गई। ज्ञापन में मांग की गई है कि पीड़ति परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए । ज्ञापन के माध्यम से पुलिस अधीक्षक को बताया गया कि आरोपी विनित विश्वकर्मा आ. राधेश्याम विश्वकर्मा निवासी तेंदूखेड़ा जिला नरसिंहपुर निवासी है वह चरस गांजा अफीम का सेवन व विक्रय करता है और नगर में जुआ सट्टा जैसी गतिविधियों का संचालन भी कर रहा है जिस कारण से वह आय दिन किसी न किसी व्यक्ति से लड़ाई-झगड़ा करता रहता है जिससे समाज में डर का माहौल बना हुआ है एवं आरोपी के विरूद्ध कई प्रकरण न्यायालय में पंजीबद्ध है। आरोपी नशे की हालत में रहता है जिसके कारण से वह कई बार लड़ाई-झगड़ा करता रहता है अभी दिनांक 24.6.2026 को आरोपी विनीत विश्वकर्मा आ. राधेश्याम विश्वकर्मा निवासी तेंदूखेड़ा के द्वारा युगलकिशोर पटैल उर्फ गोविंद पटैल आ. बलराम पटैल निवासी तेंदूखेड़ा के घर के सामने गालियां देकर युगलकिशोर पटैल उर्फ गोविंद पटैल को जान से मारने की धमकी देने लगा और जब युगलकिशोर पटैल उर्फ गोविंद पटैल के द्वारा शांतिपूर्वक कारण पूछा गया तो आरोपी अत्याधिक आक्रोशित होकर जान से मारने के उध्देश्य से युगलकिशोर पटैल उर्फ गोविंद पटैल के साथ डंडे से हमला किया जिससे युगलकिशोर पटैल उर्फ गोविंद पटैल को आंख एवं सिर के बीच एवं हाथ में गंभीर चोटें आईं। जिसके उपरांत युगलकिशोर पटैल उर्फ गोविंद पटैल ने थाना तेंदूखेड़ा में शिकायत दर्ज कराई परंतु थाना तेंदूखेड़ा में सही कार्रवाई नहीं की। साथ ही बताया गया कि आरोपी विनीत लोगों के साथ बार-बार मारपीट करता है एवं स्वयं अपने आपको चाकू एवं धारदार हथियार से क्षति पहुंचाकर थाना तेंदूखेड़ा में झूठी शिकायत दर्ज कराता है। वहीं पुलिस अधीक्षक ने आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई का विश्वास दिलाया। वहीं तेंदूखेड़ा में 100 से अधिक महिलाओं ने एसडीओपी को ज्ञापन सोपा।

आज से स्कूलों में शुरू होगी चहल-पहल

क्या फिर लगाये जायेंगे पुस्तक मेला

तेंदूखेड़ा। शैक्षणिक कैलेंडर के हिसाब से भले ही अप्रैल माह में स्कूलों का नया सत्र शुरू हो गया था। भीषण गर्मी के चलते बीच में स्कूलों की छुट्टियां लग गई थीं। शिक्षकों के लिए 16 जून से स्कूल शुरू हो गये हैं। लेकिन आज एक जुलाई से ही स्कूलों में चहल-पहल शुरू होगी आज से ही स्कूलों में छात्र स्कूलों में पहुंचेंगे।पालक वर्ग भी अपने अपने पाल्यों को कापी पुस्तकें ड्रेसें बैग खरीदेंगे। चूंकि जून के महिनें में शासकीय स्कूल परिसरों में पुस्तक मेला लगाये गये थे लेकिन इन मेलों में ना तो पर्याप्त मात्रा में विक्रेता पहुंचे थे और ना ही छात्र अविभावक साथ साथ प्राइवेट स्कूलों में चलने वाली निजी प्रकाशनों की पुस्तकें ड्रेसें भी इन मेलों से नदारत थीं। यहां तक कि निजी स्कूलों के प्रबंधकों ने सूचियां भी नहीं उपलब्ध कराई गई थी। मेलों के दौरान के जिला शिक्षा अधिकारी ने भी हालात देखे थे। अनियमताओं को स्वीकार करते हुए आवश्यक सुधार और जुलाई माह में फिर शासकीय स्कूल परिसरों में पुस्तक मेला लगाये जाने के लिए आश्वासन दिया था। चूंकि आज एक जुलाई से फिर से स्कूल शुरू हो रहें हैं। संपन्न परिवारों के छात्रों को उनके मनमाफिक पुस्तकें ड्रेसें उपलब्ध हो जातीं हैं लेकिन निर्धन वर्ग के लिए एक समस्या खड़ी हो जाती है। इसलिए पूरी पारदर्शिता के साथ मेलों का आयोजन किया जाना चाहिए। स्थानीय के साथ बाहर से भी बड़े पुस्तकें ड्रेसें विक्रेताओं को भी आमंत्रित किया जाना चाहिए।

निजी स्कूलों की मनमानियों पर लगे विराम

शासन द्वारा निजी स्कूलों की मनमानियों पर विराम लगाये जाने की दिशा में तरह तरह के नियम कानून जरुर बना रहा है लेकिन उक्त नियम कानून केवल दिखावा ही साबित हो रहें हैं।निजी प्रकाशनों की महंगी पुस्तकें फिर हर साल बदलती ड्रेसें हमेशा देखने को मिला करतीं हैं। कुछ स्कूल तो स्कूलों में ही रखकर पालकों को पुस्तकें और ड्रेसें थमाते हैं या फिर किसी एक दुकान से ही पुस्तकें लाने के लिए शिक्षकों और प्यूनों के माध्यम से कहलवातें हैं।निजी प्रकाशनों की पुस्तकों की सूचियां भी सार्वजनिक नहीं करते हैं।पालक वर्ग का कहना है कि प्राइवेट स्कूलों की मनमानियों पर विराम लगने के साथ पुस्तकों की सूचियां लगभग सभी दुकानों पर उपलब्ध रहनीं चाहिए।इस दिशा में सख्ती भी शिक्षा विभाग के विकास खंड के अधिकारियों को बरतनी चाहिए।

गैस किट वाहनों पर पूर्णत लगे प्रतिबंध

विगत वर्ष यातायात नियमों के पालन और स्कूल लाने ले जाने वाले वाहनों की गुणवत्ता फिटनेस सहित सभी नियमों का उचित पालन की दिशा में दंडात्मक कार्यवाही तो की गई थी। लेकिन कुछ मन चले बाहन चालकों की स्कूल संचालकों की मिली भगत के चलते गैस वाले बाहन चलते देखे गये थे लेकिन इस वर्ष इन बाहन चालकों पर पूर्ण प्रतिबंध की जरूरत है शुरुआती दौर में ही दंडात्मक कार्यवाही होनी चाहिए।

सर्व स्वर्णकार समाज ने नगर की पुरानी टीम को भंग कर नई टीम का किया गठन

करेली। न्यूज़ किसी भी समाज का उत्थान उसके मजबूत संगठन से होता हैसर्व स्वर्णकार समाज जिला एवं प्रदेश का संगठन इन दोनों स्वर्णकार समाज को एक पटल पर लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं किसी भी संगठन की छोटी शाखाएं ही उन्हेंअपनी मजबूत कार्य प्रणाली से समाज को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है स्वर्णकार समाज की नगर इकाई विगत तीन से चार वर्षो से एक दम शिथिल पड़ी हुई थी इस थकी हुई मानसिकता के चलते समाज को जिस स्तर पर पहुंचना चाहिए था उसे पर पहुंचने में कामयाब नहीं हो पा रही थी इस स्थिति को देखते हुए जिला अध्यक्ष अनिल सोनी बरसाना के द्वारा पुरानी नगर इकाई को संगठन के सभी उच्च स्तरीय पदाधिकारी से मिलकर भंग कर नगर की नई इकाई स्थापित की और इसकी कमान नई व चैतन्य सोच के धनी नवीन सोनी कोदिए जाने का प्रस्ताव रखा जिसे संगठन की बैठक में मौजूद सभी सामाजिक जनों ने एकमत होकर स्वीकार किया अध्यक्ष पद पर आसीन होते हीनवीन ने संकल्प लिया कि समाज में फैली विकृति के साथ बिखरे हुए संगठन को संगठित कर समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को भी सबके बराबर लाकर खड़ा करना ही हमारी प्राथमिकता होगी समाज हमारा एक बड़ा परिवार हैऔर इसेएक सूत्र में प्रयोग रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है इसके तुरंत बाद ही अध्यक्ष द्वाराअपनी कार्यकारिणी की भी घोषणा की

जिसमें उपाध्यक्ष राजेंद्र सोनी बिछुआ वाले उपाध्यक्ष सत्येंद्र सोनी सचिव मनीष सोनी सह सचिवअरविंद सोनी कोषाध्यक्ष प्रीतेश सोनीकार्यालय प्रमुख संचित सोनीकी नियुक्ति की गई इस दौरान बैठक में मौजूद सभी सामाजिक जनों ने सभी पदाधिकारीयो को शुभकामनाएं दी साथ ही उपस्थित जनों में राकेश सोनी ने अपनीआशाएं व्यक्त करते हुए कहा कि अब समाज एक सूत्र में बंद कर मजबूती से आगे बढ़ेगाऔर समाज एक नया स्थान हासिल करेगी नगर की शाखा को मिली इस नई टीमको बहुत-बहुत साधुवाद है साथ ही जिला अध्यक्ष अनिल भाई की अथक मेहनत का नतीजा है जो आज नगर की नई टीम तैयार हुई है इससे समाज के वरिष्ठ जनों के साथ युवाओं में भी अत्यधिक जोश आया है साथ ही मनोज नेकहाकि जब परिवार का बड़ा व्यक्ति अपने परिवार को सजगता से सवारने का प्रयास करता हैउसके परिणाम सदा ही सुखद रहते हैंहमारे जिला अध्यक्ष कायही प्रयास हैकि समाज एकजुट हो कर मजबूती से आगे बढ़ेऐसे मार्गदर्शन होने से हीहर एक समाज का उत्थान संभव हैइस बैठक में बड़ी संख्या में सामाजिक जानउपस्थित रहे।